RENOWNED : (1) ख्यात (f. ता), वि-, प्र- ; (2) विश्रुत (f. ता) ; (3) प्रथित (f. ता) ; (4) प्रसिद्ध (f. द्धा) ; (5) कीर्तिमत् (f. ती); यशस्विन् (f. नी); etc. (possessing renown).

RENT (subs.) : I. Of lands : करः. II. Cleft, fissure : q.v. : छिद्रम्.

RENT (v.) : I. To grant by lease : भाटकेन ददाति (दा, c. 3.). II. To take by lease : (1) भाटकेन गृह्णाति (ग्रह्, c. 9.) ; (2) भाटयति, Viv.

RENTAL, RENT-ROLL : *करपत्रिका and sim. comp.s.

RENTER : expr. by verb : v. To rent.

RENUNCIATION : I. Not owning : (1) प्रत्याख्यानम् ; (2) निराकृतिः (=rejection) ; II. Abandonment : q.v. : परित्यागः, *r. of sitā* : सीतापरित्यागः.

REPAIR (v.t.) : I. To restore : (1) नवीकरोति, *r.ed the town* : पुरं नवीचकार ; (2) पूरयति, परि-, (पूर्, c. 10. : by filling up what is incomplete) ; (3) संस्करोति (कृ, c. 8. : by embellishing) ; (4) प्रतिसंस्करोति (कृ, c. 8.). II. To make amends for : पूरयति, परि-.

REPAIR (v.i.) : (1) गच्छति (गम्, c. 1.) : v. To go ; (2) समाश्रयति (श्रि, c. 1.) : v. To betake, (have) recourse.

REPAIR (subs.) : संस्कारः *or* प्रति- : v. To repair (v.t.).

REPAIRER : expr. by verb : v. To repair.

REPARABLE (1) पूरणीय (f. या), परि- ; (2) प्रतिसमाधेय (f. या).

REPARATION : (1) पूरणम्, परि- : v. Compensation, redress.

REPARTEE : (1) व्यङ्ग्योक्तिः (?) ; (2) क्षिप्रोत्तरम् (=quick reply : q.v.).

REPAST : (1) आहारः : v. Meal ; (2) भोजनम् : v. Food.

REPAY : (1) निर्यातयति (यत्, c. 10. : lit. and fig., in good and bad sense) ; (2) प्रतिददाति (दा, c. 3.=to give back, return).

REPAYMENT : (1) निर्यातनम् ; (2) प्रतिदानम् *or* प्रत्यर्पणम् (=giving back).

REPEAL : I. Verb, to annul : (1) लुम्पति, वि-, अव- (लुप्, c. 6. : ?) ; (2) खण्डयति, परि- (खण्ड, c. 10. : ?). II. Subs., abrogation : (1) लोपः, वि- अव- (?) ; (2) खण्डनम्, -ना, परि- (?).

REPEAT : I. To utter again : (1) पुनर् उदीरयति (ईर्, c. 10.) ; (2) भूयो गदति, नि-, (गद्, c. 1.) ; (3) द्विः (= twice) व्याहरति (हृ c. 1.), *as if r.ed the same thing with an echo* : द्विरिव प्रतिशब्देन व्याजहार तमेवार्थम्, Ku. vi. 64 ; etc. : v. To utter, say, again. II. To do again : (1) पुनः *or* भूयः करोति *or* by corresponding verb ; (2) समभि- *or* समभिव्या-हरति (हृ, c. 1.). III. To recite, read : q.v. : व्याहरति.

REPEATEDLY (1) वारं वारम् ; (2) भूयोभूयः ; (3) पुनःपुनः ; (4) मुहुः ; (5) मुहुर्मुहुः ; (6) अभीक्ष्णम् ; (7) by frequentative verbs (rare).

REPEATER : I. Reciter : व्याहर्तृ (f. र्त्री). II. A watch : *होरावादः.

REPEL : निरस्यति (अस्, c. 4.) : v. To drive away, dispel.

REPELLENT (adj.) : (1) क्रूर (f. रा=fierce : as of looks); (2) प्रमाथिन् (f. नी : as a r. medicine).

REPENT : (1) अनु-तप्यते, अनुसं-, पश्चात्-, (pass. of तप्), *afterwards r.* : पश्चादनुतप्यन्ते, V. iii. 3. ; (2) by subs., "सञ्जातपश्चात्तापात्रभवती", V. iii. ; (3) अनुशेते (शी, c. 2. : rare) ; (4) अनुशोचति (शुच्, c. 1.=to r. for, lament : q.v.).

REPENTANCE : (1) पश्चात्तापः *or* अनुतापः, "पश्चात्तापसदृशवेषः, Sa. vi. ; (2) अनुशयः, "अनुशयादनुरोदिमि चोत्सुकः", Sa. vi. 8.

REPENTANT : (1) सानुतापः (पा, पं) ; (2) पश्चात्तापयुतः (ता, तं) ; (3) सञ्जातानुशयः (या, यं) ; (4) अनुतापिन् (f. नी) ; etc.

REPENTANTLY : (1) सानुतापम् ; (2) सानुशयम् ; (3) by adj.

REPERCUSSION : प्रतिघातः : v. Reverberation.

REPERTORY : कोषः : v. Treasury, receptacle.

REPETITION : I. Reiteration : (1) पुनरुक्तिः ; (2) द्विरुक्तिः ; (3) by verb : v. To repeat (1). II. Of acts ; (1) समभिहारः ; (2) समभिव्याहारः, S.k. III. Recital, rehearsal : q.v. : व्याहारः.

REPINE : परितप्यते (pass. of तप्) : v. To grieve.

REPINING (subs.) : परितापः : v. Grief, lamentation.

REPLACE : I. Lit. : प्रतिष्ठापयति (c. of स्था) : v.